|| माँ चन्द्रघण्टा आरती ||

जय माँ चन्द्रघण्टा सुख धाम | पूर्ण कीजो मेरे काम ||
चन्द्र समाज तू शीतल दाती | चन्द्र तेज किरणों में समाती ||
मन की मालक मन भाती हो | चन्द्रघण्टा तुम वर दाती हो ||
सुन्दर भाव को लाने वाली | हर संकट में बचाने वाली ||
हर बुधवार को तुझे ध्याये | श्रद्दा सहित तो विनय सुनाए ||
मूर्ति चन्द्र आकार बनाए | शीश झुका कहे मन की बाता ||
पूर्ण आस करो जगत दाता | कांचीपुर स्थान तुम्हारा ||
कर्नाटिका में मान तुम्हारा | नाम तेरा रटू महारानी ||
भक्त की रक्षा करो भवानी | जय माँ चन्द्रघण्टा सुख धाम |
पूर्ण कीजो मेरे काम ||

www.hanumanchalisalyric.com